03795

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)

Term-End Examination

June, 2018

BECE-107 : INDUSTRIAL DEVELOPMENT IN INDIA

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt questions from each section as per instructions.*

SECTION - A

Answer **any two** questions from this section in about 500 words each : 2x20=40

1. Give a brief account of the role of public sector enterprises in industrial development of India. What are the major problems faced by them ?

2. What is meant by fragmentation of production process in an industry ? What are the factors that lead to fragmentation of production ?

3. What is the role of MNCs in economic development in India ? Build arguments for and against MNCs in India.

4. Bring out the factors that led to liberalization of industries during 1990s. State the salient features of the liberalisation measures.

SECTION - B

Answer **any four** questions from this section in about **250** words each : **4x12=48**

5. Briefly describe the reform measures in the financial system in India after 1991.

6. Briefly explain the factors that lead to wage differentials in the industrial sector.

7. Give a brief account of India's position on international labour standards.

8. Distinguish between economies of scale and economies of scope. Give a few examples of their applications in industrial economics.

9. Explain how geography is important in industrial development.

10. Give a brief account of the role played by Medium, Small and Micro Enterprises (MSME) in India.

SECTION - C

11. Write short notes on **any two** of the following : **2x6=12**
    (a) Regional disparities in India
    (b) Administered pricing in India
    (c) Mergers and acquisitions
    (d) Capacity utilisation in India

बी.ई.सी.ई.-107

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2018

बी.ई.सी.ई.-107 : भारत में औद्योगिक विकास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक भाग के निर्देशानुसार दीजिए।*

भाग - क

इस भाग में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए : **2x20=40**

1. भारत के औद्योगिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की भूमिका की संक्षेप में प्रस्तुति कीजिए। इनके द्वारा सामना की जाने वाली मुख्य समस्याएँ कौन-सी हैं?

2. किसी उद्योग में उत्पादन प्रक्रिया के विखंडन से क्या आशय है? उत्पादन-विखंडन के लिए उत्तरदायी कारक कौन-से हैं?

3. भारत के आर्थिक विकास में बहुराष्ट्रीय कंपनियों (MNCs) की भूमिका क्या है? भारत में MNC के पक्ष और विपक्ष के लिए तर्क बनाइए।

4. 1990 के दशक के दौरान उद्योगों के उदारीकरण के लिए उत्तरदायी कारकों पर प्रकाश डालिए। उदारीकरण उपायों की मुख्य विशेषताएँ व्यक्त कीजिए।

भाग - ख

इस भाग में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 250 शब्दों में दीजिए। **4x12=48**

5. भारत में वर्ष 1991 के बाद, वित्तीय पद्धति के सुधार संबंधी उपायों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

6. औद्योगिक क्षेत्र में मज़दूरी-विभेदन के लिए उत्तरदायी कारकों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

7. अंतरराष्ट्रीय श्रम मानकों के संबंध में भारत की स्थिति की संक्षेप में प्रस्तुति कीजिए।

8. बड़े पैमाने की मितव्यतताओं और कार्यक्षेत्र की मितव्यतताओं में अंतर स्पष्ट कीजिए। औद्योगिक अर्थशास्त्र में इनके अनुप्रयोगों के कुछ उदाहरण दीजिए।

9. बताइए कि औद्योगिक विकास में भूगोलशास्त्र कैसे महत्वपूर्ण है।

10. भारत में मध्यम, लघु और सूक्ष्म उद्यमों (MSME) द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका की संक्षेप में प्रस्तुति कीजिए।

भाग - ग

11. संक्षेप में **किन्हीं दो** पर नोट लिखिए : **2x6=12**

    (a) भारत में क्षेत्रीय असमानताएँ

    (b) भारत में निर्देशित कीमत-निर्धारण

    (c) विलय और अभिग्रहण

    (d) भारत में क्षमता-उपयोग